नीले गगन में चमकें तारे,

दुनियाँ में वैसे ही चमकें हम

मीठे सुरों में गाते है पंची

यीशु की सन्‍ना गाएं हम।

1. फूलों की खुशबू जैसे कि

सारे गुलशन को महकाती है,

अपने असर से इस दुनियाँ के

गुलशन को महकाएं हम

2. चन्‍दा और सूरज जब-जब चमकें,

अँधियारा मिट जाता है

कर दें उजाला जीवन से अपने,

पापों की रातें मिटाऐं हम।

3. जलती है बत्ती जब तक कि उसमें

तेल दिए का बाकी है

जब तक हमारी ज़िन्दगानी

नाम मे मसीह फैलाये हम